

# सामाजिक विज्ञान

(नागरिक शास्त्र)

अध्याय-6: संचार माध्यमों को समझना



## संचार माध्यमों को समझना

मीडिया 'माध्यम' शब्द का बहुवचन रूप है। यह संचार के सभी साधनों को संदर्भित करता है, एक पैम्फलेट से लेकर उपग्रह तक सब कुछ। टेलीविजन, रेडियो और समाचार पत्रों को जनसंचार माध्यम कहा जाता है क्योंकि वे देशों की सीमाओं को पार करते हुए लाखों लोगों तक पहुंचते हैं। इसी को मीडिया भी कहते हैं।

### संचार माध्यमों में तकनीकी प्रगति

- प्रौद्योगिकी की प्रगति के कारण हाल के दिनों में संचार के साधन बदल गए हैं।
- प्रौद्योगिकी में निरंतर परिवर्तन के कारण संचार का माध्यम भी बदल गया है और नवीन हो गया है।
- टेलीविजन, रेडियो और समाचार पत्र जैसे जनसंचार माध्यमों द्वारा उपयोग की जाने वाली तकनीकों के कारण लाखों लोगों तक पहुंचने में सक्षम हैं।
- समाचार पत्रों और पत्रिकाओं को प्रिंट मीडिया कहा जाता है क्योंकि वे कागज पर छपे पोर्टेबल और हल्के प्रकाशन हैं।



### प्रिंट मीडिया

- टेलीविजन और रेडियो को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया कहा जाता है क्योंकि ये इलेक्ट्रॉनिक आइटम हैं और इन माध्यमों तक पहुंचने के लिए संबंधित तकनीक की आवश्यकता होती है। टेलीविजन तकनीकी प्रगति के उत्पादों में से एक रहा है।



### इलेक्ट्रॉनिक मीडिया

- लोगों के लिए संचार के साधनों को अधिक सुलभ बनाने में प्रौद्योगिकी एक बड़ी भूमिका निभाती है। तकनीकी नवाचारों के परिणामस्वरूप इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने ध्वनि और छवियों की गुणवत्ता में काफी सुधार देखा है।
- तकनीकी नवाचारों ने लाखों लोगों के जीवन को बदल दिया है।

### टेलीविजन के निम्नलिखित लाभ हैं

1. **मनोरंजन-** टेलीविजन आज के समय में मनोरंजन का सबसे बड़ा सरल और सस्ता साधन है। यह बूढ़ों से लेकर बच्चों तक सबके लिए उनकी पसंद का चैनल लाता है और विभिन्न तरीके से उनका मनोरंजन करता है।
2. **ग्यानवर्धक-** टेलीविजन पर बहुत से ऐसे प्रोग्राम दिखाए जाते हैं जिनसे हमारे ग्यान में वृद्धि होती है और हमें कुछ नया सिखने को मिलता है।
3. **जानकारी-** टेलीविजन पर देश दुनिया की खबरे दिखाई जाती है जिसे हमें दुनिया में जो कुछ भी चल रहा उसकी जानकारी मिलती है।
4. **अंग्रेजी सिखने में सहायक-** टीवी पर बहुत से अंग्रेजी चैनल हैं जिनके माध्यम से हम आसानी से आसानी सिख सकते हैं।
5. **समय व्यतीत-** हम छुट्टी वाले दिन और बुढ़े लोग टेलीविजन देखकर आसानी से अपना समय व्यतीत कर सकते हैं।
6. **विग्यापन-** टेलीविजन विग्यापन देने का भी बहुत अच्छा माध्यम है जिससे लोगों को बाजार में आने वाले नए नए उत्पादों के बारे में पता चल सके।

## जनसंचार माध्यम

टीवी रेडियो और अखबार संचार माध्यमों के रूप है जिनकी पहुंच लाखों लोगों तक है देश और विदेश के जनसमूह तक है, इसलिए इन्हें जनसंचार माध्यम या मास मीडिया कहते हैं।

### मीडिया में पैसे की आमद

- मीडिया में इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक बेहद महंगी है। उदाहरण के लिए, समाचार प्रसारित करते समय, एक टेलीविजन स्टूडियो में एक न्यूज़ रीडर, मेकअप आर्टिस्ट, कैमरामैन, साउंड रिकॉर्डर, ट्रांसमिशन सैटेलाइट आदि होते हैं। इसका मतलब है कि कई कर्मचारियों को भुगतान करने की आवश्यकता है।
- जैसे-जैसे तकनीक बदलती रहती है, नवीनतम तकनीकों को प्राप्त करने पर बड़ी मात्रा में धन खर्च किया जाता है। नतीजतन, मास मीडिया को भारी मात्रा में धन की आवश्यकता होती है। इस प्रकार, कई टेलीविजन चैनल और समाचार पत्र बड़े व्यापारिक घरानों का हिस्सा हैं।
- विभिन्न उत्पादों के विज्ञापनों के माध्यम से जनसंचार माध्यम पैसा कमाने का एक प्रमुख स्रोत है। लोगों को उन्हें खरीदने के लिए प्रभावित करने के लिए उत्पादों का विज्ञापन किया जाता है।



विज्ञापन मीडिया के पूंजी अर्जित करने के मुख्य स्रोत होते हैं

### मीडिया और लोकतंत्र

लोकतंत्र में मीडिया की अहम भूमिका होती है।

- यह लोगों को सरकार के कामकाज के बारे में जानकारी प्रदान करता है।
- मीडिया के माध्यम से, नागरिक सरकार द्वारा पारित विभिन्न कानूनों और अधिनियमों के बारे में सीखते हैं।

- मीडिया द्वारा रिपोर्ट की गई खबरों के आधार पर, लोग सरकार द्वारा पारित किसी भी दमनकारी कानून का विरोध करने के लिए विरोध प्रदर्शन आयोजित कर सकते हैं, एक हस्ताक्षर अभियान शुरू कर सकते हैं और रैलियां कर सकते हैं।



जनता के मुद्दों को सरकार तक पहुंचाने में  
मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका होती है

- मीडिया यह देखता है कि सरकार अपनी शक्ति का दुरुपयोग न करे।
- यह सरकार और लोगों के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करता है।
- उपरोक्त सभी उपायों के माध्यम से, मीडिया सरकार को अपने निर्णयों पर पुनर्विचार करने के लिए बाध्य कर सकता है।
- मीडिया उन मुद्दों को तय करता है जिन पर ध्यान केंद्रित करना होता है। यह एजेंडा सेट करता है क्योंकि यह किसी मुद्दे पर केंद्रित होता है, इसे व्यापक रूप से प्रचारित करता है और लोगों के ध्यान में लाता है। यह लोगों की सोचने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है।
- यह जनमत तैयार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- अतीत में, मीडिया ने कई मुद्दों पर लोगों का ध्यान खींचा है। ऐसा ही एक मुद्दा वातित पेय में कीटनाशकों के स्तर में वृद्धि थी।
- हालांकि, मीडिया कुछ आवश्यक मुद्दों को उजागर करने में भी विफल रहता है। उदाहरण के लिए, हमारे देश के कई क्षेत्रों में पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। वर्षों से मीडिया ने इस मुद्दे को उस तरह से उजागर नहीं किया जैसा कि होना चाहिए था।

### संतुलित रिपोर्टिंग

मीडिया के लिए लोगों को संतुलित रिपोर्टिंग करना बहुत जरूरी है। एक संतुलित रिपोर्ट वह होती है जिसमें किसी समाचार के सभी पहलुओं पर चर्चा की जाती है और पाठकों को अपने निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए छोड़ दिया जाता है। एक संतुलित रिपोर्ट कभी भी निर्णयात्मक नहीं होती है।

मीडिया संतुलित रिपोर्टिंग तभी प्रस्तुत कर पाता है जब वह स्वतंत्र हो और किसी प्राधिकरण के नियंत्रण में न हो। हालाँकि, मीडिया हमेशा स्वतंत्र नहीं होता है। यह निम्नलिखित कारणों से है:

- मीडिया पर सरकार का बड़ा नियंत्रण है।
- सरकार कुछ समाचारों को सेंसर कर सकती है। जब सरकार किसी समाचार, फिल्म के दृश्यों या किसी गीत के बोल को जनता के साथ प्रकाशित या साझा करने से रोकती है, तो इसे सेंसरशिप के रूप में जाना जाता है।
- सरकार द्वारा 1975-77 में आपातकाल की घोषणा की गई थी, जिसके दौरान इसने कई समाचारों को सेंसर किया था।
- हालांकि, आज हम देखते हैं कि सरकार आमतौर पर किसी भी समाचार को सेंसर नहीं करती है, हालांकि वह सेंसर फिल्मों को करती है। इसके बावजूद, हम संतुलित रिपोर्टिंग का अभाव पाते हैं।
- विभिन्न शोधों के अनुसार, मीडिया में संतुलित रिपोर्टिंग का अभाव है क्योंकि कई समाचार चैनल व्यावसायिक घरानों द्वारा नियंत्रित होते हैं। इस प्रकार, वे अपने व्यवसाय के हित में इन चैनलों का उपयोग करने का प्रयास करते हैं।
- मीडिया को विज्ञापनों के माध्यम से पैसा मिलता है। इसलिए यह आमतौर पर उन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट नहीं करता है जो उन्हें विज्ञापन देते हैं।
- किसी भी मुद्दे पर राय बनाने से पहले लोगों को विभिन्न कोणों से सोचने की जरूरत है। क्षेत्रों पर ध्यान देना जरूरी है कि किसने लेख लिखा है? इस खबर से किसे फायदा होता है? समाचारों में किसकी उपेक्षा की जा रही है और क्यों? इन बिंदुओं पर विचार करने के बाद ही हमें किसी भी समाचार पर अपनी राय बनानी चाहिए।

### स्थानीय मीडिया

- बहुत से लोगों ने महसूस किया है कि मीडिया को आम लोगों के जीवन को कवर करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। इसलिए, कई स्थानीय समूहों ने अपना मीडिया शुरू किया है।
- उन्होंने रेडियो का उपयोग किया है, कई स्थानीय समाचार पत्र शुरू किए हैं और कई समाचार पत्र प्रकाशित किए हैं जो स्थानीय समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- कई संगठन सामुदायिक रेडियो का उपयोग करते हैं और किसानों को बीज और उर्वरक की गुणवत्ता के बारे में सलाह देते हैं। वे गरीब समुदायों की कठिनाइयों पर वृत्तचित्र भी बनाते हैं।
- खबर लहरिया एक समाचार पत्र है जो उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले में आठ दलित महिलाओं द्वारा चलाया जाता है। समाचार पत्र बुंदेली भाषा में लिखा गया है और भ्रष्टाचार और महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों पर केंद्रित है।



खबर लहरिया ने उत्तरप्रदेश के चित्रकूट जिले के स्थानीय मुद्दों को उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

संचार माध्यम स्वतंत्र नहीं है इसके मुख्य दो कारण हैं

- सरकार का उन पर नियंत्रण सेंसरशिप के द्वारा
- व्यापारिक प्रतिष्ठानों का नियंत्रण धन के द्वारा

### मसौदा तय किया जाना

कुछ खास विषय पर ध्यान केंद्रित करके संचार माध्यम हमारे विचारों भावनाओं और कार्यों को प्रभावित करते हैं और हमारा ध्यान उन मुद्दों की ओर आकर्षित करते हैं। हमारे जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने और हमारे विचारों को निर्मित करने में मुख्य भूमिका होने के कारण ही प्रायः यह कहा जा सकता है कि संचार माध्यम ही हमारा मसौदा या एजेंडा तय करते हैं।

परंतु कई बार जनसंचार माध्यम महत्वपूर्ण विषय पर ध्यान केंद्रित करने में असफल रहते हैं जैसे कि पीने योग्य जल वह जरूरी समस्याएं परंतु इसके बजाय वह खेलकूद मनोरंजन जैसे विषयों पर अधिक ध्यान देते हैं।

### सेंसरशिप

सरकार की उस शक्ति अधिकार से है जिसके अंतर्गत सरकार कुछ विवरण प्रकाशित करने या प्रदर्शित करने पर रोक लगा सकती है।

### सार्वजनिक विरोध

इसमें विशाल संख्या में लोग एकजुट होकर किसी विषय पर खुले रूप से अपना विरोध प्रदर्शन करते हैं जैसे रैली आयोजित करना धरना देना सड़कों को अवरुद्ध करना।



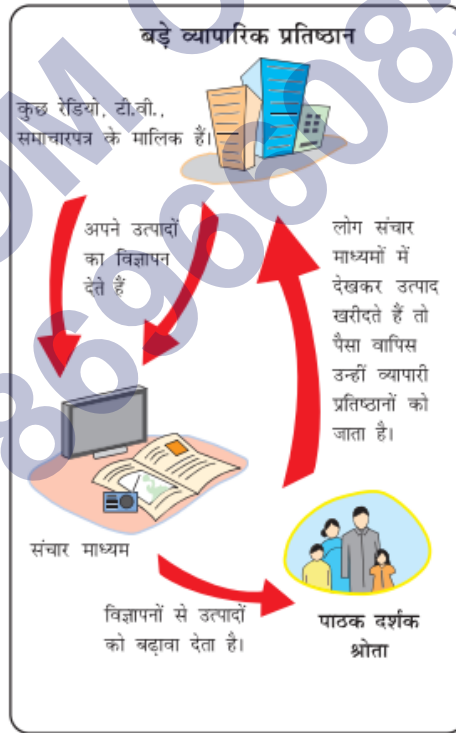
## NCERT SOLUTIONS

## प्रश्न (पृष्ठ संख्या 79)

प्रश्न 1 प्रजातंत्र में संचार माध्यम किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उत्तर - प्रजातंत्र के नागरिक के रूप में हमारे जीवन में संचार माध्यम बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। क्योंकि संचार माध्यमों के द्वारा ही हम सरकार के कामों से संबंधित विषयों के बारे में सुनते हैं। संचार माध्यम निश्चित करते हैं कि किन बातों पर ध्यान केंद्रित किया जाना है और इस तरह वह एजेंडा निश्चित कर देते हैं। यदि कभी सरकार चाहे तो संचार माध्यम को किसी घटना की खबर छापने से रोक सकती है। इसे सेंसरशिप कहा जाता है।

प्रश्न 2 क्या आप इस रेखाचित्र को एक शीर्षक दे सकते हैं। इस रेखाचित्र से आप संचार माध्यम और बड़े व्यापार के परस्पर संबंध के बारे में क्या समझ पा रहे हैं।



उत्तर - रेखाचित्र का शीर्षक ' मीडिया उत्पाद एवं धन प्रवाह का माध्यम ' हो सकता है। भारत में कुछ बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों ने अपने स्वयं के संचार माध्यम - रेडियो, टी.वी. एवं समाचार - पत्र आदि विकसित कर डाले हैं। ये संचार माध्यमों द्वारा अपने उत्पादों का विज्ञापन देते हैं। काफी लोग

विज्ञापनों को देखकर उनके उत्पाद खरीदते हैं। संचार माध्यमों द्वारा विज्ञापनों से उत्पादों को बढ़ावा मिलता है।

प्रश्न 3 आप पढ़ चुके हैं कि संचार माध्यम किस प्रकार एजेंडा बनाते हैं इनका प्रजातंत्र में क्या प्रभाव पड़ता है ? अपने विचारों के पक्ष में दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर - संचार माध्यमों को लोकतन्त्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। संचार माध्यम आम लोगों के मुद्दों को एजेंडा के रूप में उनके सामने लाते हैं। इसके उदाहरण निम्नलिखित हैं :-

1. **पहला उदाहरण-** संचार माध्यमों ने कोका - कोला पेय में कीटनाशकों का स्तर खतरे के स्तर से बढ़े हुए होने की ओर हमारा ध्यान आकर्षित किया। इन्होंने इसमें कीटनाशकों के अत्यधिक मात्रा में होने की रिपोर्ट प्रकाशित की। इन्होंने सरकार के दबाव के बावजूद निडरतापूर्वक घोषणा की कि कोका-कोला पीना सुरक्षित नहीं है। बाद में जब सरकार ने इस पेय को सुरक्षित घोषित किया। तब संचार माध्यमों ने इस तथ्य को भी प्रभावी ढंग से पेश किया।
2. **दूसरा उदाहरण-** संचार माध्यमों ने, चुनाव के समय सत्तारूढ़ दल के द्वारा प्रयोग किए गए सरकारी तंत्र के बारे में चुनाव आयोग को अवगत कराया। इस पर चुनाव आयोग ने इस बारे में तुरंत कार्यवाही की।

प्रश्न 4 कक्षा परियोजना के रूप में समाचारों में से कोई एक शीर्षक चुनकर उस पर ध्यान केंद्रित कीजिए और अन्य समाचारपत्रों में से उससे संबंधित विवरण छांटिए। दूरदर्शन समाचार पर भी इस विषय पर प्रसारित सामग्री देखिए। दो समाचारपत्रों के विवरण की तुलना करके उनमें समानता और भिन्नता की रिपोर्ट लिखिए। निम्नलिखित प्रश्न पूछना सहायक हो सकता है।

1. इस लेख में क्या जानकारी दी जा रही है।
2. कौन-सी जानकारी इसमें छोड़ दी गई है।
3. यह लेख किसके दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर लिखा गया है?
4. किसके दृष्टिकोण को छोड़ दिया गया है?

उत्तर -

विद्यार्थियों को खुद के और किसी और के यहाँ से अखबार लाकर किसी शीर्षक को चुनना है और उत्तर जानने का प्रयत्न करना है।

1. इस लेख में सरकार द्वारा जारी की गई नई योजनाओं के बारे में लिखा गया है।
2. इसमें यह जानकारी छोड़ दी गई कि हम यह योजना कैसे अपना सकते हैं।
3. यह लेख लड़कियों की पढ़ाई के दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर लिखा गया ताकि सबको फ़ायदा हो और सबके पास यह खबर पहुंचे।
4. इसमें योजनाओं को पूर्ण रूप से नहीं लिखा गया। और कैसे कुछ लड़कियां जो इस योजना का अंग नहीं बन सकती उनको छोड़ दिया गया।

प्रश्न 5 विज्ञापनों के प्रकार के बारे में अकेलें, जोड़ी या समूह में प्रोजेक्ट बनाएं। कुछ उत्पादों के बारे में वाणिज्यिक विज्ञापन एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य, सड़क सुरक्षा, जल व ऊर्जा को बचाने की जरूरत सामाजिक विज्ञापन बनाएं।

उत्तर -

